केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 78 गुरूवार 10 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

महागौरी : अलौकिक सिद्धियां देती हैं मां दुर्गा की आठवीं शक्ति...

नवरात्रि में आठवें दिन महागौरी शक्ति की पूजा की जाती है। नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गई है।

अष्टवर्षा भवेद् गौरी यानी इनकी आयु आठ साल की मानी गई है। इनके सभी आभूषण और वस्त्र सफेद हैं। इसीलिए उन्हें श्वेताम्बरधरा कहा गया है। 4 भुजाएं हैं और वाहन वृषभ है इसीलिए वृषारूढ़ा भी कहा गया है इनको।

इनके ऊपर वाला दाहिना हाथ अभय मुद्रा है तथा नीचे वाला हाथ त्रिशूल धारण किया हुआ है। ऊपर वाले बाँये हाथ में डमरू धारण कर रखा है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है।

इनकी पूरी मुद्रा बहुत शांत है। पति रूप में शिव को प्राप्त करने के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की थी। इसी वजह से इनका शरीर काला पड़ गया लेकिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोकर कांतिमय बना दिया। उनका रूप गौर वर्ण का हो गया। इसीलिए ये महागौरी कहलाईं।

ये अमोघ फलदायिनी हैं और इनकी पूजा से भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी नष्ट हो जाते हैं। महागौरी का पूजन–अर्चन, उपासना–आराधना कल्याणकारी है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां भी प्राप्त होती हैं।

एक नजर

नुक्कड़ नाटक से मरीजों, परिजनों को किया जागरूक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध कैली चिकित्सालय के ओपीडी काउंटर के निकट एमबीबीएस 2021 के छात्र छात्राओं द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से एचआईवी, एड्स होने के कारण एवं उससे बचाव हेतु जागरूक किया गया ।

विभागाध्यक्ष डा प्रियंका केसरवानी की अध्यक्षता में डा.अखिलेश त्रिपाठी, डा आनंद बिहारी डा. विरानी , बायोकेमिस्ट्री विभाग से डा. विवेक आनंद, स्टाफनर्स संगीता मिश्रा, विभाग में कार्यरत इंटर्न,अन्य स्टाफ एवं मेडिकल के छात्र –छात्राएं उपस्थित रहीं।

परिनिर्वाण दिवस पर कांशीराम को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डॉक्टर भीम राव अंबेडकर छात्रावास सिविल लाइन में मान्यवर कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर उनके योगदान पर चर्चा की गई। छात्रावास अध्यक्ष दिनेश कुमार , विवेक कुमार, राहुल, भालचंद्र, श्याम बिहारी, शशिकांत गौतम, एडवोकेट बुद्धि प्रकाश, कमलेश सचान , प्रमोद इंद्रेश गौतम, उमेश, उदयभान , बिहारीलाल, कुनाल, राजकुमार ,भीम कुमार ,दीपक ,आकाश , अजीत, नरेंद्र , सुरेंद्र ने कांशीराम को नमन् किया।

सड़क निर्माण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर विकास क्षेत्र के हरदिया चौराहे से पहले रामराज चौधरी के मकान से एच एच अंबेडकर इंटर कॉलेज होते हुए ग्राम सभा सियरापार तक जाने का रास्ता बेहद कठिन है। इस रास्ते पर प्रायः जलजमाव रहता है। नागरिकों ने इसके निर्माण की मांग किया।

सीओ जियाउलहक हत्याकांड में 10 को उम्रकैद

लखनऊ (आभा)। राजा भैया के इलाके कुंडा में सीओ रहे सीओ जियाउल हक हत्याकांड में सभी 10 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुना दी गई है। सीबीआई की विशेष अदालत ने बुधवार की देर शाम फैसला सुनाया। हर आरोपी पर 19500 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की आधी रकम जियाउल हक की पत्नी को दी जाएगी। 2013 में सीओ जिआउल हक की हत्या कर दी गई थी।घटना के 11 साल तक चली सुनवाई बाद कोर्ट ने पिछले हफ्ते फूलचंद यादव, पवन यादव, मंजीत यादव, घनश्याम सरोज, राम लखन गौतम, छोटेलाल यादव, राम आसरे, मुन्ना पटेल, शिवराम पासी और जगत बहादुर पाल को दोषी पाया था। इस मामले में एक अन्य आरोपित सुधीर को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया है। वारदात में कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनके करीबी रहे गुलशन यादव भी आरोपित थे, लेकिन दोनों को सीबीआई जांच में पहले ही क्लीन चिट मिल गई थी।

बस्ती मैराथन का पोस्टर लान्च

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा आयोजित होने वाले 13वें बस्ती मैराथन का पोस्टर लॉन्च और आयोजक पुस्तिका का विमोचन कार्यक्रम बुधवार को सर्किट हाउस में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किसान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, विधायक अजय सिंह और राजमाता बस्ती आसिमा सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर मैराथन का आयोजन 17 नवंबर को होने की घोषणा की गई।

विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने कहा, बस्ती मैराथन का आयोजन न केवल युवाओं के लिए प्रेरणास्पद है, बल्कि यह समाज में एकता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने का भी एक उत्कृष्ट माध्यम है।।

विधायक अजय सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा, युवा शक्ति के सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन के लिए ऐसे कार्यक्रम बहुत आवश्यक हैं।

राजमाता बस्ती आसिमा सिंह ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, इस तरह के आयोजन से बस्ती की पहचान और भी सशक्त होती है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने कहा, यह मैराथन हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जो पिछले 12 वर्षों से सफलता के साथ हो रहा है। हमारी कोशिश है कि इस बार भी अधिक से अधिक लोग इसमें हिस्सा लें और इसे सफल बनाएं। इस आयोजन का उद्देश्य केवल दौड़ नहीं, बल्कि समाज में खेलों के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश पाल चौधरी, सौरभ तुलस्यान, पप्पू पाण्डेय, सरोज मिश्र, परमेश्वर शुक्ल, दिवाकर मिश्र, राम प्रताप सिंह, प्रिंस मिश्र, नवीन त्रिपाठी, रितिकेश सहाय, काजी फरजान, सुनील यादव, अमित राय कनौजिया, ओमकार चौधरी, अरुण पांडेय, माधवेंद्र, हिमांशु सोनी, सुरेंद्र चौधरी, शाश्वत श्रीवास्तव, महेश यादव, अशोक प्रजापति, बृजभूषण पांडेय, पप्पू शुक्ल, हेमन्त पांडेय, अभिनव सिंह, उत्तम दुबे, शुभम , साहिल चौधरी आदि लोग मौजूद रहें।

छात्रों ने किया रामलीला का मंचन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूरो किड प्री स्कूल पचपेड़िया रोड में बच्चों द्वारा रामलीला पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और रामलीला का मंचन किया गया। बच्चों ने प्रभु श्री राम ,माता सीता, और लक्ष्मण जी भरत जी शत्रुघ्न जी तथा ऋषि मुनियों की वेश भूषा बनाकर रामचरित मानस का संक्षिप्त नाट्य मंचन किया। उनके नाट्य मंचन की मोहक प्रस्तुति से सभी मंत्र मुग्ध हो गए ,बाल कलाकारों ने सभी को कार्यक्रम समापन तक कुर्सियों से मोहक प्रस्तुति द्वारा बांधे रखा,

कार्यक्रम का आरंभ प्रबंधक अमर मणि पांडे और अर्चना पाण्डेय ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना,और आरती के साथ किया और बुराई पर अच्छाई के जीत का समारोह दशहरा की सभी को शुभकामना दी,

विद्यालय की श्रीमती दिव्या पाठक ने बच्चों को प्रभु राम की जीवन वृतांत के बारे में बताया और उनकी राह पर चलने की सलाह दी । नीलम चौधरी ,के बी सर,लक्ष्मी वर्मा, रीचिका सिंह ,अविनाश पांडे, रामाशीष चौधरी, पूजा शुक्ला, अंकिता श्रीवास्तव, संजू सिंह, संस्कृति श्रीवास्तव, सुमन गुप्ता, रिया सिंह, प्रिया श्रीवास्तव ,आराध्या सिंह, अवनी गुप्ता, दिव्या जायसवाल,सिद्रा फातिमा ने कार्यक्रम संयोजन में योगदान दिया।

केजरीवाल वाला बंगला सील

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री आवास को लेकर सियासत गर्म हो गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की एक टीम दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास (6–फ्लैग स्टाफ रोड, सिविल लाइंस) पहुंची । इस बीच दिल्ली सीएमओ का दावा है कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी का सारा सामान मुख्यमंत्री आवास से हटवा दिया है।

डायट में कला, क्राफ्ट, संस्कृति महोत्सव शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में दो दिवसीय कला, क्राफ्ट तथा संस्कृति महोत्सव प्रदर्शनी का शुभारम्भ बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के अतिथि डॉ रमा शर्मा और प्रकाश चौबे द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। महोत्सव के पहले दिन जनपद के विभिन्न विकासखंडों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। जिनको प्रमाणपत्र के साथ मेडल देकर सम्मानित किया गया। शेष विकासखंडों के शिक्षक गुरुवार को महोत्सव में प्रतिभाग करेंगे। परिषदीय विद्यालयों में नामांकन, ठहराव और गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से पेंटिंग, मूर्तिकला, क्राफ्ट, वाल पेंटिंग, गीत, नुक्कड़, नाटक, पारंपरिक नृत्य कला, पपेट शो, अभिनय रंगमंच, काव्य पाठ, कलात्मक शिक्षण विधि आदि विभिन्न प्रकार की कलात्मक, रचनात्मक, गतिविधियों में शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। शिक्षकों द्वारा लगाए गए क्राफ्ट स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने रहे। अतिथियों ने कला क्रॉफ्ट स्टाल का अवलोकन करके शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। नोडल डॉ गोविन्द प्रसाद सह नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ और वर्षा पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के कलात्मक और रचनात्मक कौशल के विकास की अनुशंसाओं का सफल क्रियान्वयन करने के उद्देश्य से क्राफ्ट एवं संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया है, जो निपुण लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ ऋचा शुक्ला, वन्दना चौधरी, अलीउद्दीन खान, कल्याण पाण्डेय, सरिता चौधरी, शशि दर्शन, अमन सेन, रवीश कुमार मिश्र, प्रदीप मालिक, शमीम अंसारी, रामरक्षा, मननमोहन यादव, राजपती, शुभावन वर्मा, अनामिका सिंह आदि उपस्थित रहे।

अनधिकृत संचालन पर चला एआरटीओ का चाबुक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) द्वारा सडको पर अवैध रूप से संचालित वाहनो पर गाज गिरी। जिसमें कृषि कार्य हेतु पंजीकृत ट्रैक्टर/ट्राली का व्यवसायिक रूप से ईंट ढोने पर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए विभिन्न थानों में निरूद्ध किया गया तथा प्रत्येक वाहन पर लगभग 50000 रूपये प्रशमन शुल्क आरोपित किया गया । साथ ही प्राईवेट वाहन के रूप में पंजीकृत चार पहिया वाहनों द्वारा सवारी ढोने के अभियोग में कार्यवाही की गई एवं वाहन को निकटतम थाने में निरूद्ध किया गया, अनफिट व्यवसायिक वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही की गई।

बड़ेबन चौराहे,पटेल चौक तथा मड़वा नगर टोल प्लाजा पर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) एवं प्रतवंन दल द्वारा दो पहिया वाहन की हेल्मेट (चालक के पीछे बैठी सवारी सहित), वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग करने वाले, गलत दिशा में वाहन का संचालन करने वाले लोगों को जागरूक किया गयाएवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत वाहन चालकों को रात्रि में हेड लाईट के हाई बीमध्लो बीम के प्रयोग के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। फरीदउद्दीन सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), रविकान्त शुक्ल सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), पंकज सिंह सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) बस्ती एवं प्रवंतन स्टाफ उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री योगी ने चकबंदी लेखपालों को दिया दीपावली का उपहारः 728 बने कानूनगो

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी लेखपालों को दीपावली का बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने 8 साल बाद प्रदेश के प्रतिक्षारत चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति दी है। प्रदेश के 68 जिलों के 728 चकबंदी लेखपालों को चकबंदीकर्ता (कानूनगो) के पद पर प्रोमोट किया गया है। सीएम योगी का यह महत्वपूर्ण कदम न सिर्फ अधिकारियों के करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा, बल्कि प्रदेश के किसानों के भूमि संबंधी विवादों के निपटारे में भी तेजी आएगी। इससे राज्य का कृषि क्षेत्र समृद्ध होगा और किसानों के जीवन में खुशहाली आएगी।

चकबंदी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि प्रदेश में भूमि विवाद और चकबंदी की समस्या के त्वरित निपटारे के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंभीर प्रयास कर रहे हैं। 2016 से प्रदेश के विभिन्न जिलों में कानूनगो के कई पद रिक्त चल रहे थे, जिसके कारण भूमि पुनर्सयोजन और चकबंदी प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न हो रही थीं। इससे किसानों की भूमि से जुड़े विवादों के समाधान में देरी हो रही थी और भूमि सुधार के प्रयासों को भी नुकसान पहुंच रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया गया, जिसके माध्यम से 728 योग्य चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति दी गई है।

इस पदोन्नति प्रक्रिया में बरेली जिले के 60 चकबंदी लेखपालों को कानूनगो बनाया गया है, जो प्रदेश में सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कन्नौज में 41, मुरादाबाद में 35, गोरखपुर में 32 और ललितपुर में 25 चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति मिली है। यह निर्णय इन जिलों में चकबंदी प्रक्रिया को नई ऊर्जा देगा और किसानों की भूमि संबंधी समस्याओं का तेजी से निपटारा किया जा सकेगा।

चकबंदीकर्ता के पदों पर नियुक्ति से प्रदेश में भूमि सुधार और चकबंदी की प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू करने में सहायता मिलेगी। भूमि का पुनर्सयोजन यानी चकबंदी, किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके खेतों को एकत्रित कर उन्हें बेहतर तरीके से उपयोग करने की सुविधा प्रदान करती है। भूमि का सही ढंग से पुनर्सयोजन होने से किसानों की उत्पादकता में वृद्धि होगी और कृषि की दिशा में राज्य का विकास होगा। मुख्यमंत्री योगी का यह कदम न केवल किसानों के हित में है बल्कि प्रदेश में राजस्व प्रशासन और भूमि सुधार की दिशा में भी एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इससे भूमि विवादों के निपटारे में तेजी आएगी और राज्य के कृषि क्षेत्र में समृद्धि आएगी।

पांचवी पुण्यतिथि पर याद किये गये आदित्य नारायण तिवारी 'कबीर' : 26 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को एपीएनजी कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष आदित्यनारायण तिवारी 'कबीर' को उनके पांचवी पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के ऐंठीडीह में याद किया गया। कबीर आदित्यनारायण वेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने आदित्यनारायण 'कबीर' के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर चर्चा किया। इसी कड़ी में आयोजित रक्तदान शिविर में 26 लोगों ने रक्तदान किया। बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के स्वास्थ्य कर्मियों ने रक्तदान में सहयोग किया।

कबीर के भाई विवेक नारायण उर्फ तुलसी, बहन रंजना तिवारी, वैदिक द्विवेदी ने कबीर के चित्र पर माल्यार्पण के बाद कहा कबीर बस्ती का भविष्य था, उसकी निर्मम हत्या के बाद जनपद उसकी कीमत चुका रहा है। आज वे होते तो बस्ती की राजनीति की दिशा और दशा कुछ और होती। वे सदैव याद किये जायेंगे।

आदित्यनारायण 'कबीर' को पांचवी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में रवि तिवारी, शानू पाठक, राजन तिवारी, अभिषेक विश्वकर्मा, आनन्द शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में परिजन और आस पास के ग्रामीण उपस्थित रहे।

रक्तदान करने वालों में तुलसी, प्रीती, रंजना, आशीष, सौरभ, वैदिक, सुधांशु, आनन्द, ऋतिक द्विवेदी, अजय ओझा, अखिलेश, हर्ष, कलराज, अल्ताफ, दिग्विजय पाण्डेय, अमरमणि पाण्डेय, प्रशान्त पाण्डेय के साथ ही कुल 26 लोग शामिल रहे। बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के विजय सिंह, आलोक चौधरी, शिवम मिश्र आदि ने रक्तदान कराने में योगदान दिया।

परिनिर्वाण दिवस पर याद किये गये कांशीरामः समाजवादियों ने किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को दलित वंचित समाज को नई दिशा देने वाले कांशीराम को उनके परिनिर्वाण दिवस पर याद किया गया। कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद वक्ताओं ने कहा कि उन्होने आर्थिक रूप से शोषित और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों का व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिये आखिरी सांस तक प्रयत्न किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि पिछड़े अल्पसंख्यक तथा दलितों में सत्ता के प्रति प्यास जगाने वाले मान्यवर कांशी राम वास्तव में बहुजन आंदोलन के महानायक थे. उनके करिश्माई राजनीतिक विचारधारा से भारतीय राजनीति में एक नए युग का उदय हुआ। समाजवाद का भी यही लक्ष्य है कि समाज से गैर बराबरी समाप्त हो। कहा कि देश कांशीराम के योगदान को सदैव याद रखेगा। उन्होने गरीब, वंचित, उपेक्षित वर्ग को राजनीतिक ताकत दिया। उन्होने बाबा साहब के सपनों को जमीनी धरातल पर साकार किया।

सपा नेता मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, जमील अहमद, आर.डी. निषाद आदि ने परिनिर्वाण दिवस पर कांशीराम के योगदान पर प्रकाश डाला। जावेद पिण्डारी ने कहा कि कांशीराम ने आंदोलन के जरिए दलित चेतना को उभारने में सफल रहे। उन्होंने सहयोग और क्रांति को नजरअंदाज करते हुए तीसरा रास्ता अपनाया. बामसेफ का गठन कर उन्होंने रणनीतिक कौशल और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। भारतीय राजनीति में उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि कांशीराम ने गरीबों को सत्ता में आने का स्वप्न ही नहीं दिखाया वरन उसे साकार भी किया।

दलित चेतना के महानायक कांशीराम को परिनिर्वाण दिवस पर नमन करने वालों में मुख्य रूप से श्री प्रकाश शर्मा, हरीश गौतम, भोला पाण्डेय, युनूस आलम, अजय यादव, विपिन त्रिपाठी, अखिलेश यादव, जोखूलाल यादव, संजय गौतम, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, डा. वीरेन्द्र यादव, रामचन्द्र यादव, मो. अहमद सज्जू, मधुबन यादव, रजवन्त यादव, निसार अहमद, राम उजागिर वर्मा, राम प्रकाश, रामशंकर निराला, पंकज निषाद, गौरीशंकर यादव के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन की मंडलीय बैठक में गूंजा शासन प्रशासन के बढ़ते हस्तक्षेप का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन की मंडलीय बैठक नगर पंचायत नगर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष और हाथरस के चेयरमैन देशराज सिंह ने कहा कि नगर निकायों पर शासन प्रशासन का बढ़ता हस्तक्षेप स्वीकार नही किया जाएगा। इसे लोकतंत्र का अपमान बताते हुए उन्होंने कहा कि नगर निकायों से जुड़े 74 वां संविधान सशोधन लागू करने, शिष्टाचार व्यय बढ़ाने, मानदेय की सुविधा प्रदान करने सहित आधा दर्जन मांगों के लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और नगर विकास मंत्री से वार्ता की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो संघर्ष का रास्ता भी अख्तियार किया जाएगा। एसोसिएशन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और रायबरेली की अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने कहा कि नगर निकायों को प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार प्रदान कर ट्रिपल इंजन की सरकार के नारे को चरितार्थ करना चाहिए। प्रदेश सचिव और फतेहपुर के अध्यक्ष इसरार अहमद ने कहा कि हमे एकजुट होकर अपनी ताकत दिखानी होगी। कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने संघे शक्ति कलियुगे के मंत्र को अपनाने का सुझाव देते हुए कहा कि जनता की कसौटी पर खरा उतरने के लिए नगर निकाय अध्यक्षों के अधिकारों को बढ़ाया जाना आवश्यक है। बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत हरैया के चेयरमैन कौशलेंद्र सिंह राजू ने किया जबकि संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी और बलिया के अध्यक्ष हृदय कुमार श्रीवास्तव ने किया। बैठक में नगर पालिका परिषद बस्ती के अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, विस्कोहर के चेयरमैन अजय कुमार गुप्ता, धर्मसिंहवा के चेयरमैन वसीउद्दीन, कप्तानगंज के चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी,गायघाट अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण तिवारी पिंटू, रूधौली के चेयरमैन धीरसेन निषाद,मुंडेरवा के अध्यक्ष सुनील सिंह, नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने अपने विचार व्यक्त किए।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 अक्टूबर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

हरियाणा की जीत– हार

लोकसभा चुनाव में आशातीत सफलता के बाद पहले चुनावी दंगल में कांग्रेस को झटका लगा है। यूं कहिए कि 2029 में देश में सत्ता परिवर्तन के अभियान की बोहनी खराब हुई है। हरियाणा के अप्रत्याशित परिणाम के बाद विपक्षी कांग्रेस ने चुनाव परिणाम की वैधता पर सवाल खड़े किए हैं। उसका जवाब देने की बजाय चुनाव आयोग ने बस इन आरोपों को खारिज कर दिया है। इस तर्क–वितर्क और प्रमाणों की जांच किए बिना यह कहना कठिन है कि इस परिणाम पर कितना भरोसा किया जाए। लेकिन अगर इसे जनमत का प्रतिबिंब मान लें तो इस जनादेश को यूं भी देख सकते हैं कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने के बाद अब जनता ने विपक्ष को भी चेतावनी दे दी है।

जम्मू–कश्मीर के चुनाव परिणाम को देखकर 'इंडिया' गठबंधन उत्साहित हो सकता है। बेशक उसे तमाम अनुमानों से बेहतर सीटें और स्पष्ट बहुमत मिला है। यह संतोष की बात है कि नैशनल कांफ्रैंस और कांग्रेस को इतना बहुमत है कि अगर राज्यपाल 5 मनोनयन की सीटों पर भाजपा के पसंदीदा लोगों को बैठा भी दे, तब भी उसे फर्क नहीं पड़ेगा। इस परिणाम से यह भी जाहिर होता है कि कश्मीर घाटी में कायापलट के भाजपा के दावे कितने खोखले हैं। सच यह है कि इतने हवाई दावों के बावजूद भाजपा को अनेक सीटों पर उम्मीदवार ही नहीं मिले। जहां उम्मीदवार मिले तो उन्हें वोट नहीं मिले। और जिस–जिस पार्टी पर भाजपा की बी टीम होने का दाग था, जनता ने उन्हें भी खारिज कर दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कश्मीर घाटी की जनता धारा 370 हटाए जाने से क्षुब्ध है। जम्मू–कश्मीर की जनता राज्य का दर्जा चाहती है।

केंद्र सरकार को यह संदेश देने के साथ–साथ जम्मू की जनता ने कांग्रेस की कमजोरी को भी अस्वीकार कर दिया और एक बार फिर क्षेत्र में भाजपा को अच्छी सफलता मिली है। लेकिन केवल जम्मू के दम पर और कुछ छुपे सहयोगियों के सहारे प्रदेश में राज करने के उसके मंसूबे सफल नहीं हो सके। लेकिन जम्मू–कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सफलता हरियाणा में हुई कांग्रेस की अप्रत्याशित हार को ढक नहीं सकती। जम्मू–कश्मीर की राजनीति अनोखी है और उसके आधार पर बाकी देश के बारे में निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। यू भी वहां के चुनाव एक विशेष परिस्थिति में हुए थे। राज्य की संवैधानिक स्थिति बदल चुकी थी। चुनावी क्षेत्रों का नया परिसीमन हुआ था और पार्टियां भी बदल गई थीं। इसलिए इसे राज्य की विशिष्ट परिस्थिति का परिणाम ही माना जाएगा।

हरियाणा की हार का झटका विपक्ष को ज्यादा तकलीफ देगा। यह परिणाम बहुत अप्रत्याशित था। इन पंक्तियों के लेखक ने इन्हीं पन्नों पर कहा था कि कांग्रेस आराम से यह चुनाव जीतने वाली है। यही राय सभी विश्लेषकों और एग्जिट पोल की भी थी। इसीलिए यहां की चुनावी हार राजनीतिक रूप से ज्यादा चुभेगी। तकनीकी रूप से देखें तो हार बड़ी है नहीं। वोटों की दृष्टि से कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। सीटों में बड़ा फासला है, लेकिन वोट बराबर हैं। पिछले चुनाव की तुलना में कांग्रेस के वोट भी बढ़ रहे हैं और सीटें भी। लेकिन अंततरू यह सब सांत्वना देने वाली आंकड़ेबाजी मानी जाएगी। लोगों को यही याद रहेगा कि एक चुनाव जो कांग्रेस जीत सकती थी, वह हार गई। राजनीति उगते सूरज को सलाम करती है। इस परिणाम का सीधा असर महाराष्ट्र और झारखंड के वोटरों पर तो नहीं पड़ेगा लेकिन इंडिया गठबंधन के कार्यकर्त्ताओं के मनोबल पर इसका असर जरूर पड़ेगा। देश के राजनीतिक मूड को बदलने के लिए इसका इस्तेमाल होगा।

आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा का उत्साह बढ़ेगा। जब तक महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजे नहीं आ जाते, तब तक इसकी परछाईं देश के राजनीतिक मूड पर रहेगी। इन परिणामों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव के बाद से ही बुझे–बुझे प्रधानमंत्री की छवि को सुधारने के लिए भी किया जाएगा। सच यह है कि प्रधानमंत्री का इस परिणाम में कुछ खघस योगदान नहीं है। सच यह है कि खुद भाजपा ने प्रधानमंत्री को भी इस चुनावी पराजय की संभावना से बचाए रखा था, कि प्रदेश में उनकी सिर्फ चार रैलियां हुई थीं और होर्डिंग्स से भी प्रधानमंत्री की बड़ी तस्वीर और उनकी गारंटी गायब थी। लेकिन भाजपा का प्रचार तंत्र अब इसे प्रधानमंत्री की लोकप्रियता के सबूत के रूप में पेश करेगा। इसी तरह से ही इस परिणाम को राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता में ब्रेक की तरह पेश किया जाएगा। यह बात भी तथ्य से परे है। सच यह है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के कारण ही कांग्रेस प्रदेश में भाजपा विरोधी मतों की धुरी बन सकी। राहुल गांधी की इस चुनाव में सीमित भूमिका थी और उससे कांग्रेस को फायदा ही हुआ है। अगर राहुल गांधी 36 बिरादरी की सरकार के अपने वादे को ज्यादा जोर से चला पाते तो कांग्रेस की स्थिति बेहतर होती।

खराब शुरुआत का मतलब यह नहीं कि इंडिया गठबंधन आने वाले चुनावों में सफल नहीं होगा। चुनाव की वैधता पर उठे सवालों के अलावा विपक्ष को आत्ममंथन भी करना होगा। एक मायने में इस परिणाम से लोकमत का इम्तिहान महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणाम तक खिसक गया है। लेकिन इस सवाल पर कोई भी राय बनाने से पहले जरूरी है कि हरियाणा चुनाव के परिणाम पर उठ रहे सवालों का संतोषजनक समाधान हो, अन्यथा यह भारतीय लोकतंत्र ले लिए अशुभ संकेत होगा।

कृषि क्षेत्र को संकट से कैसे मिले मुक्ति

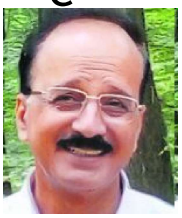

–देविंदर शर्मा–

साल था 1996। चुनाव परिणाम घोषित हो चुके थे और अटल बिहारी वाजपेयी को निर्वाचित–प्रधानमंत्री के रूप में घोषित किया जा चुका था। एक या दो दिन बाद, नई दिल्ली में कुछ जाने–माने अर्थशास्त्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि बतौर निर्वाचित–प्रधानमंत्री वे इसमें शामिल नहीं हो सकते थे, लिहाजा एक अन्य राजनीतिक दिग्गज मुरली मनोहर जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की।

अर्थशास्त्रियों को अपने सुझाव इस बाबत देने को कहा गया कि एनडीए सरकार को किस किस्म की आर्थिक नीतियां लानी चाहिए ताकि उसे आगे चलकर सत्ता विरोधी लहर का सामना न करना पड़े। उपस्थित अधिकांश अर्थशास्त्री चाहते थे कि राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाए और चालू–खाता घाटा कम करने के तरीके खोजे जाएं। चिन्हित मुद्दों पर काफी विचार हुआ और निश्चित रूप से अन्य अहम विषयों पर भी चर्चा हुई, मसलन, रोजगार सृजन, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देना इत्यादि।

जब मुझसे यह सुझाव देने के लिए कहा गया कि नीतिगत ध्यान का केंद्र किस पर होना चाहिए, तो मेरा जवाब था कि बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा उस समय कृषि क्षेत्र में काम कर रही 60 प्रतिशत आबादी के लिए रखा जाना चाहिए। मेरे कई साथी मुझसे सहमत नहीं थे, कुछ ने तो यहां तक चेतावनी दे डाली कि अगर बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा कृषि के लिए आवंटित किया गया तो आर्थिक तबाही मच जाएगी। उद्योग और बुनियादी ढांचा विकसित करने को अधिक धन देने पर जोर दिया गया और इसे उच्च आर्थिक विकास की ओर ले जाने का शर्तिया माध्यम बताया गया।

मैंने फिर भी जोर देकर कहा कि यह एक नया सांचा और आर्थिक सोच बनाने का समय है और जब तक कृषि के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान नहीं किया जाता, तब तक देश सर्वांगीण विकास नहीं कर पाएगा। मुझे पता था कि मेरा सुझाव मुख्यधारा की आर्थिक सोच से मेल नहीं खाएगा। हालांकि, मेरी समझ से सत्ता विरोधी लहर से बचने की एकमात्र राह खेती और ग्रामीण विकास में पर्याप्त निवेश करना था। बैठक का समापन जोशी ने यह कहकर किया कि वे हमारे विचारों से प्रधानमंत्री को अवगत करवाएंगे।

कुछ दिनों बाद, मुझे आश्चर्य हुआ जब नई सरकार ने कृषि के लिए 60 प्रतिशत बजट प्रदान करने की अपनी मंशा की घोषणा की। कृषि में इतने संसाधन लगाने की जरूरत को लेकर मीडिया में हंगामा मच गया, कई विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा कि इससे अर्थव्यवस्था पीछे की दिशा में जाएगी। लेकिन मेरी दलील थी कि उच्च विकास की दिशा में कदम आगे बढ़ाते वक्त भारत अपनी दो–तिहाई आबादी को ग्रामीण इलाकों में भुगतने के लिए छोड़ नहीं सकता।

इसे संभव बनाने के लिए, और राजनीतिक दार्शनिक जॉन रॉल के 'निष्पक्षता एवं न्याय' सिद्धांत के अनुसार, नीति बनाते वक्त मानव पूंजी निवेश, खेती और कृषि का पुनर्निर्माण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र सहित उचित ग्रामीण बुनियादी ढांचे की स्थापना और इस प्रक्रिया में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त राजकोषीय संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। संक्षेप में, यह वही है जो प्रधानमंत्री का 'सबका साथ३ सबका विकास' वाला नारा कहता है, उसकी प्राप्ति के लिए रूपरेखा आर्थिक सोच एवं दृष्टिकोण और रुख में आमूल–चूल बदलाव लाकर फिर से तैयार की जा सकती थी। चूंकि वाजपेयी सरकार केवल 13 दिनों तक चली, इसलिए वह विचार जो परिवर्तनकारी बदलाव के लिए एक मजबूत नींव रख सकता था, वह भी गुम हो गया।

मैं यह इसलिए साझा कर रहा हूं क्योंकि सकल बजट में खेती के लिए आवंटन और भी कम हो गया है। यह देखते हुए कि कृषि पर करोड़ों लोगों की आजीविका निर्भर है, यह चिंताजनक है। 2019–20 में पहले से ही काफी कम रख गए अंश यानी 5.44 प्रतिशत के बाद, कृषि का हिस्सा 2024–25 के बजट में और गिरकर 3.15 फीसदी रह गया है। यह जानते हुए कि यह राजनीतिक और आर्थिक कारक –जिन पर बड़े कारोबारियों का काफी प्रभाव है– संसाधन आवंटन पर हावी है, गलती की भ्रंश रेखाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। देश की 42.3 प्रतिशत आबादी अभी भी कृषि में लगी हुई है, इसकी वृद्धि दर वर्तमान में 1.4 प्रतिशत के आसपास मंडरा रही है। इससे भी बदतर यह है कि औसत कृषि आय में भारी गिरावट आई है। वास्तविक ग्रामीण मजदूरी एक दशक से अधिक समय से स्थिर है। निरंतर जारी कृषि संकट इतना गंभीर है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जैसा कि मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं, यह इसलिए क्योंकि खेती को जानबूझकर पिछड़ा रखा गया।

अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि अगर विकल्प मिले तो लगभग 60 प्रतिशत किसान खेती छोड़ना चाहते हैं। और अगर आप हैरान हो रहे हैं कि भारतीय किसानों की हालत इतनी खराब कैसे है, तो कृषि की मौत के संकेतकों में सबसे ऊपर है, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा हाल ही में किया गया एक अध्ययन। इससे पता चलता है कि भारतीय कृषि सबसे निचले पायदान पर है, जिसकी सकल कृषि प्राप्ति 2022 में ऋणात्मक 20.18 प्रतिशत रही। हरियाणा की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां कृषि घाटे की भरपाई करने के लिए बजटीय सहायता का प्रावधान नहीं किया गया।

हालांकि, अगर संसाधन आवंटन करते वक्त कृषि क्षेत्र में लगी आबादी की संख्या के अनुपात के अनुरूप यथेष्ट संसाधन दिए गए होते, तो आर्थिक रूप से बहुत बड़ी अक्लमंदी होती। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि संसाधन आवंटन में होती गिरावट के साथ, कृषि में चमत्कार होने की उम्मीद करना निश्चित रूप से बेमानी है। अगर 1996 में, जब तत्कालीन एनडीए सरकार कृषि और ग्रामीण विकास के लिए बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा देने पर सहमत हो गई थी, और अगर यह जारी रहता, तो ग्रामीण भारत की शक्ल अब तक पूरी तरह बदल चुकी होती।

अब भी, जबकि कृषि व्यवसाय में लगे लोगों की संख्या घटकर 42.3 प्रतिशत रह गई है, ऐसे में यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत वजह है कि 48 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक बजट का कम से कम 50 प्रतिशत कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग रखा जाए। यह, शायद, चार नई 'जाति' अर्थात् गरीब–महिला–युवा–अन्नदाता के उत्थान का सबसे अच्छा तरीका होगा। वास्तव में, कृषि सभी प्रकार की जाति संरचनाओं को आजीविका प्रदान करती है। कृषि में पर्याप्त संसाधन लगाने से न केवल प्रदर्शन में सुधार होता है और स्थायी आजीविका का निर्माण होता है, बल्कि उद्यमशीलता की आकांक्षाओं को भी बढ़ावा मिलता है। विश्व बैंक भी कहीं न कहीं यह स्वीकार करता है कि कृषि में उचित निवेश दुनिया के 75 प्रतिशत गरीबों की दरिद्रता कम करने में सहायक हो सकता है। ऐसे समय में जब दुनिया के सबसे अमीर 1 प्रतिशत लोग सबसे निचले 95 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक धन इकट्ठा कर चुके हैं। ऐसे आर्थिक सिद्धांतों पर टिके रहने का कोई मतलब नहीं है, जो असमानता को और बदतर करे। इसलिए, भारत को अपनी इबारत खुद लिखने की जरूरत है। और इसकी शुरुआत कृषि को पुनर्जीवित करने से ही होगी।–लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

अनियोजित विकास से दरकते पहाड़

–पंकज चतुर्वेदी–

फिलहाल बरसात थमी और उत्तराखंड के उत्तुंग पर्वतों पर विराजमान बद्रीनाथ और केदारनाथ की तरफ लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। वैसे मौसम विभाग बता चुका है कि इस साल अल–प्रभाव के कारण आने वाले तीन महीने कभी–कभी भारी बरसात होगी, इससे बेपरवाह पर्यटक और प्रशासन लोगों की आवाजाही को प्रोत्साहित कर रहा है। अभी दस दिनों पहले तक पहाड़ खिसकने, सड़कें टूटने और लोगों की मौत की खबरें आती रहीं। इस बार उत्तराखंड में सर्वाधिक भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं। राज्य के बड़े हिस्से में अभी भी सड़कें जर्जर हैं। यह कड़वा सच है कि इन सड़कों और उस पर आ रहे भारी यातायात के कारण पहाड़ दरक रहे हैं।

उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल के चार जिलों में 1100 से अधिक सड़कें इस साल बारिश व आपदा की भेंट चढ़ गईं, जिसमें कोई 900 ग्रामीण क्षेत्रों की हैं। लैंड स्लाइड एटलस ऑफ इंडिया के मुताबिक उत्तराखंड के 13 में से 8 जिले भूस्खलन के लिहाज से अति संवेदनशील जिलों की सूची में आते हैं। गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला उत्तरकाशी भागीरथी नदी के किनारे वरुणावत पर्वत की तलहटी में बसा है। यहां भूस्खलन का मतलब पूरे रिहायशी इलाके का खतरे की जद में आना है। वरुणावत पर्वत का पूरा क्षेत्र कई मायनों में बेहद संवेदनशील है। भूकंप के लिहाज से यह बेहद खतरनाक है। साल 1991 में यहां रिक्टर स्केल पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव के चलते पहाड़ों की पारंपरिक रिमझिम बरसात की जगह अब अचानक बहुत भारी बरसात हो रही है और इन सब का मिला–जुला कारण है कि मजबूत चट्टानों वाले पहाड़ भी अर्रा कर गिर रहे हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के डाटा के अनुसार 1988 से 2023 के बीच उत्तराखंड में भूस्खलन की 12,319 घटनाएं हुईं, सनः 2018 में प्रदेश में भूस्खलन की 216 घटनाएं हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या पांच गुना बढ़कर 1100 पहुंच गई। 2022 की तुलना में भी 2023 में करीब साढ़े चार गुना की वृद्धि भूस्खलन की घटनाओं में देखी गई है। इस साल अगस्त–24 तक बरसात के दौरान भूस्खलन की 2946 घटनाएं दर्ज की गईं। ऐसा भी नहीं कि इस बार बरसात अधिक हुई हो। मानसूनी बारिश सामान्य कोटे (1060 मिमी) से महज 2 प्रतिशत ही ज्यादा हुई, जबकि भूस्खलन की घटनाएं पिछले साल से करीब दोगुनी हैं। अगस्त, 2024 तक भूस्खलन के चलते 67 लोगों की मौत हुई, जो कि बीते तीन साल में सर्वाधिक है।

उत्तराखंड में 40 से अधिक गांव और शहरी कस्बे ऐसे हैं जहां घरों में दरारें आ चुकी हैं या फिर वहां धंसाव का खतरा है। इस साल नैनीताल के निकट सूपी गांव, टिहरी के तिनगढ़, चमोली के कनियाज और भाटगांव नामेतोक गांव में भी धंसाव और भूस्खलन के मामले आ चुके हैं। चीन सीमा के करीब नीती घाटी के जुग्जू गांव के लोग बीते दो सालों से बेशुमार भूस्खलन से तंग हैं।

उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल नैनीताल का अस्तित्व ही भूस्खलन के कारण खतरे में है। याद करें सनः 1880 में यहां भयानक पहाड़ क्षरण हुआ था, जिसमें कोई डेढ़ सौ लोग मारे गये थे, उन दिनों नैनीताल की आबादी बमुश्किल दस हजार थी, तब की ब्रितानी हुकूमत ने पहाड़ गिरने से सजग होकर नए निर्माण पर तो रोक लगाई ही थी, शेर का डांडा पहाड़ी पर तो घास काटने, चरागाह के रूप में उपयोग करने और बागवानी पर प्रतिबंध के साथ बड़े स्तर पर वृक्षारोपण हुआ था। कुमाऊं विवि के भूवैज्ञानिक प्रो. बीएस कोटलिया बताते हैं कि नैनीताल और नैनीझील के बीच से गुजरने वाले फॉल्ट के एक्टिव होने से भूस्खलन और भूधंसाव की घटनाएं हो रही हैं। शहर में लगातार बढ़ता भवनों का दबाव और भूगर्भीय हलचल इसका कारण हो सकते हैं।

उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सनः 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किये गये। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ रुपयों की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काटकर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजाफा हो रहा है। दुनिया के सबसे युवा और जिंदा पहाड़ कहलाने वाले हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सनः 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुलाकर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं। गत नवंबर, 2019 में राज्य की कैबिनेट से स्वीकृत नियमों के मुताबिक कम से कम दस हेक्टेयर में फैली हरियाली को ही जंगल कहा जाएगा। यही नहीं, वहां न्यूनतम पेड़ों की सघनता घनत्व 60 प्रतिशत से कम न हो और जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय वृक्ष प्रजातियां उगी हों। जाहिर है कि जंगल की परिभाषा में बदलाव का असल इरादा ऐसे कई इलाकों को जंगल की श्रेणी से हटाना है जो कि कथित विकास की राह में रोड़े बने हुए हैं। उत्तराखंड में भूस्खलन की तीन चौथाई घटनाएं बरसात के कारण हो रही हैं, इससे स्पष्ट है कि अनियमित और अचानक तेज बारिश आने वाले दिनों में पहाड़ के लिए अस्तित्व का संकट बनेगी।

हरियाणा ने जातिवाद को नकारा

–प्रियंका सौरभ–

हरियाणा के जनादेश ने देश को एक बड़ा संकेत दिया है, उसकी तरफ भी लोगों को ध्यान देना चाहिए। हरियाणा में क्षेत्रीय पार्टियां पूरी तरह साफ हो गई है। हरियाणा ने फिलहाल क्षेत्रवाद और जातिवाद को नकार दिया है। जनता ने चुप रहकर सबका हित चाहने वालों को दिया वोट। पब्लिक सब जानती है किस में और कहाँ है कितना खोट। कांग्रेस ने दो दिन खूब खुशियाँ मनाई, किसने रोका था, मना भी लेनी चाहिए। लेकिन अतिआत्मविश्वास बहुत घातक होता है, जो कांग्रेस के सर चढ़कर बोला दो दिन। इनको क्या पता था कि बिस्मार्क को पटकनी देगी बीजेपी। शाह की चाल बड़ी शांत है, मगर विजेता जैसी है। कौटिल्य भी हरियाणा के परिणाम देखकर सोच रहे होंगे कि मैं क्या पढ़ना भूल गया। एग्जिट पोल ने जैसी हवा छोड़ी, वह बिलकुल उल्टा हुआ है। इसका मतलब मीडिया और उसकी एजेंसियाँ जनता के हित में काम क्यों नहीं कर रही या इनको केवल अपनी टीआरपी और विज्ञापनों से मतलब है। ये एक तरह से धंधा है, इनको ये सब अफवाह फैलाने का पैसा मिलता होगा। एग्जिट पोल वालों कभी तो सही पोल दिखाओ,कांग्रेस वालों को डर था कि लोकसभा वाले एग्जिट पोल की तरह ये भी झूठ ना हो और झूठा साबित हो गया। खुले आम सट्टा चला, क्या ये कानून सही है? अगर नहीं, तो एजेंसियाँ इनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करतीं?

2019 की तरह हरियाणा में एग्जिट पोल फिर फेल। साल 2019 के हरियाणा चुनावों में एग्जिट पोल ने अनुमान लगाया था कि भाजपा को 61 सीटें मिलेंगी जबकि कुछ एग्जिट पोल में 75–80 सीटों जीतने का भी अनुमान लगाया गया था। हालांकि नतीजे बिल्कुल अलग आए। एग्जिट पोल्स के अनुमान में हरियाणा में कांग्रेस को भारी जीत बताई गई। हालांकि यह सारे अनुमान मंगलवार को धराशायी हो गए। हरियाणा में भाजपा बड़ी पार्टी बनकर उभरी। पूरे हरियाणा में मंगलवार को पहले 1 घंटे जलेबी बिकी और बाद में पूरा दिन पकौड़े बिके। दुकानदार के मजे ही मजे। हरियाणा में जबकि कांग्रेस के 90 में से 60 सीटें जीतने का दावा धराशायी हो गया। हरियाणा में भाजपा 90 में से 47 से ज्यादा सीटों पर बढ़त के साथ बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि एग्जिट पोल के सभी अनुमान मंगलवार को विधानसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट आने के बाद धराशायी हो गए। हम सभी एग्जिट पोल्स ने, जिन्होंने मतदान के बाद हरियाणा में कांग्रेस को बहुमत मिलना बताया था। आठ में से एक भी एग्जिट पोल की भविष्यवाणी सच साबित नहीं हुई है। सभी एग्जिट पोल्स में भाजपा पार्टी को 20 से 30 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, जबकि कांग्रेस को पूर्ण बहुमत दिया गया था। इस साल के लोकसभा चुनाव में अधिकांश एग्जिट पोल ने भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बंपर जीत की भविष्यवाणी की थी। साथ ही अनुमान लगाया था कि भाजपा अकेले अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से कहीं ज्यादा सीटें जीतेगी जिसमें एनडीए को 361 से 401 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, एग्जिट पोल के परिणाम गलत साबित हुए। एनडीए को 293 सीटें मिलीं और भाजपा के खाते में 240 सीटें आईं।आज से बीस दिन पहले मैंने अनुमान लगाया था कि हरियाणा में बीजेपी 47 से ज्यादा सीट्स लेगी और ये बिलकुल सच साबित हो रहा है। कारण बीजेपी ने हर वर्ग के लिए अपना शत प्रतिशत दिया। जनता को वो सब मिला जो जनता चाहती थी। कुछ कमियाँ थीं जो सैनी साहब ने आकर पूरी कर दीं। मुझे लगता है कि ये कमियाँ थोड़ा और पहले पूरी की होतीं तो बीजेपी और ज्यादा सीटों के साथ आती। खैर, विपक्ष भी जरूरी होता है लोकतंत्र में ताकि सत्ता की आंखें खुली रहें, वो धृतराष्ट्र न बन जाएँ। कांग्रेस ने दो दिन खूब खुशियाँ मनाई, किसने रोका था, मना भी लेनी चाहिए। लेकिन अतिआत्मविश्वास बहुत घातक होता है।

गोण्डा पुलिस की टीम बनी जीपीएल की विजेता

संवाददाता–गोंडा। शहर के जिगर मेमोरियल इंटर कालेज के मैदान में स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव स्मारक नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट जीपीएल सीजन 5 का फाइनल मैच में गोण्डा पुलिस की टीम ने अपने नाम कर लिया। पुलिस टीम ने फाइन फर्नीचर की टीम को 14 रनों से शिकस्त दी। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सहारनपुर विधायक आशु मालिक व पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से सपा नेता आश्रय गुप्ता, विधायक आनंद यादव, सपा जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन, पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे मौजूद रहे। आयोजगण मतीन सिद्दीकी, फहीम सिद्दीकी और जावेद सिद्दीकी की तरफ से टूर्नामेंट की विजेता टीम को दो लाख का नकद पुरस्कार व उपविजेता टीम को एक लाख का नगद पुरस्कार भी दिया गया। फाइनल मुकाबले में फाइन फर्नीचर के कप्तान चित्रांश श्रीवास्तव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। फाइन फर्नीचर की अच्छी गेंदबाजी से गोंडा पुलिस निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट खोकर मात्र 109 रन ही बना सकी। इसके बाद बैटिंग करने उतरी फाइन फर्नीचर की टीम इस स्कोर आसानी से प्राप्त करने वाली थी। इसी बीच अंतिम ओवरों में पुलिस टीम के गेंदबाजों ने फाइन फर्नीचर को 9.5 ओवर में ऑलआउट कर दिया। फाइन फर्नीचर यह मैच 14 रनों से हार गई। गोंडा पुलिस की तरफ से अनस, अजीम, और ऋषभ ने शानदार गेंदबाजी की। मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट बैटर का अवार्ड कामाक्षी उत्तम 11 के खिलाड़ी विशाल मौर्य को दिया गया। वहीं बेस्ट गेंदबाज के रूप में फाइन फर्नीचर के गेंदबाज अमन को चुना गया। साथ ही साथ बेस्ट फील्डर के रूप में गोंडा पुलिस के खिलाड़ी ऋषभ को चुना गया।

आज-कल निपटा लें काम, दो दिन बंद रहेंगे बैंक

संवाददाता–गोंडा। बैंक से संबंधित जरूरी काम ग्राहक गुरुवार और शुक्रवार को अवश्य निपटा लें। इसके बाद दो दिनों तक बैंक की शाखाएं बंद रहेगी। बैंक अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण और कामर्शियल बैंक की शाखाएं दो दिनों तक बंद रहेंगी। जिससे इन दोनों दिनों में बैंक में लेन–देन का कार्य नहीं हो पाएगा। ऐसे में जरूरी है कि ग्राहक समय से जमा–निकासी का काम कर लें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर बुधवार की शाम को बलरामपुर जिले पहुंचे हैं। हेलीपैड पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री हेलीपैड से सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ विकास कार्य व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया और इसके बाद देवीपाटन मंदिर रवाना हो गए। मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद बृहस्पतिवार की सुबह पूजन अर्चन करेंगे।

समस्याओं पर 15 को वार्ता करेंगे संविदा कर्मी

संवाददाता–गोंडा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा व संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले विभिन्न मांगों को लेकर मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने दूसरे दिन बुधवार को धरना दिया। संविदा कर्मियों के चीफ इंजीनियर से वार्ता की मांग की। धरने के दूसरे दिन दोपहर में अधिशासी अभियंता सौरभ भारद्वाज पहुंचे। उन्होंने कर्मियों से उनकी समस्याओं के बारे जाना। इसके बाद उनका ज्ञापन लिया। अधिशासी अभियंता ने लोगों को नवरात्रि, दशहरा, मूर्ति विसर्जन सहित अन्य त्योहारों पर बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर काम करने की अपील करते हुए उन्होंने संविदा कर्मियों को आश्वासन दिया कि चीफ इंजीनियर से 15 को वार्ता कराकर समस्या को हल किया जाएगा।

विधान से समाधान कार्यक्रम में महिलाओं को जानकारी

संवाददाता–गोंडा। झंझरी ब्लॉक सभागार में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से महिला सशक्तिकरण व महिलाओं को विधिक अधिकारों को जानने के लिए विधान से समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने कहा कि महिलाओं को अपने विधिक अधिकारों को जानना चाहिए।

इससे वे अपने आपको किसी भी प्रकार के शोषण से बचा सकें। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं भी जागरुक बनें और इसके साथ ही अन्य लोगों में भी विधिक जागरुकता पैदा करें।

कार्यक्रम को सीएमओ डा. रश्मि वर्मा, डीडीओ सुशील कुमार श्रीवास्तव, पीडी डीआरडीए चंद्रशेखर, एडीपीआरओ गोवर्धन जैन, डीपीओ मनोज कुमार मौर्य, अधिवक्ता रुचि मोदी, एसओ महिला थाना प्रतिभा सिंह, वन स्टाप सेंटर अधीक्षिका चेतना सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी चंद्रमोहन वर्मा, एडीओ पंचायत रवि मिश्रा, नायब तहसीलदार सदर अनुराग पांडे, आशीष मिश्रा, राम प्रकाश मौर्य व असिस्टेंट डिफेंस कांउसिल बृज लाल तिवारी ने भी संबोधित किया। संचालन पैनल अधिवक्ता टेली ला अविनाश चंद्र श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर ब्लॉक अंतर्गत कई गावों की महिलाएं व अन्य लोग उपस्थित रहे।

घरेलू काम करने वाली युवती से मोहल्ले के युवक ने किया दुष्कर्म, लोगों ने आरोपी को दौड़ा कर पकड़ा मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। जिले में एक युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के दादी की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर कर उससे पूछताछ कर रही है। प्रकरण नगर कोतवाली के एक मोहल्ला से जुड़ा है। यहां की रहने वाली एक परिवार की लड़की आसपास के कॉलोनी में घरेलू काम करके अपना जीवन यापन करती है। मंगलवार को वह रात में घरेलू काम करने के लिए न्यू कॉलोनी में जा रही थी। तभी रास्ते में उसी के मोहल्ले के रहने वाले एक युवक ने बालिका को बहला फुसलाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी के चंगुल से मुक्त होने के बाद उसने रोते हुए मोहल्ले के लोगों को यह बात बताई तो लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। यहां से वापस जाने के बाद उसने अपनी दादी को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दिया। तो दादी ने इसकी लिखित सूचना नगर कोतवाली पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने बताया कि 8/9 अक्टूबर की देर रात एक महिला ने नगर कोतवाली पुलिस को सूचना दी, कि उसकी पोती न्यू कॉलोनी के एक मोहल्ला में घरेलू काम करने के लिए जा रही थी। तभी इस मोहल्ले के एक युवक इश्तियाक पुत्र मुस्ताक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस सूचना पर दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी युवक को हिरासत में लेने के बाद अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी बैनामा कराने के आरोपी को किया गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। नगर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी कर जमीन को फर्जी बैनामा कराने वाले एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया पीड़ित वकील दादूराम शुक्ला निवासी व पोस्ट पिपरा बाजार थाना खरगुपुर ने तहरीर दी थी कि आरोपियों द्वारा कूटरचित अभिलेख तैयार कर धोखाधड़ी करके उनकी जमीन का फर्जी बैनाम करा लिया है। तहरीर के आधार पर आरोपी बृजेश कुमार अवस्थी सहित साथ आरोपियों के विरूद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया।

मामले में बुधवार को अभियोग पंजीकृत किया गया था।

निजी अस्पतालों से लाइसेंसिंग शुल्क लेने के निर्देश

संवाददाता–बलरामपुर। अध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने प्राइवेट चिकित्सकों के साथ नगर पालिका परिषद में बैठक किया। जिसमें उन्होंने चिकित्सकों को वित्तीय वर्ष 2022–23 से अस्पतालों से लाइसेंसिंग शुल्क लेने के निर्देश दिया। श्री धीरू ने नगर के सभी प्राइवेट चिकित्सकों को नगर पालिका सभागार में आमंत्रित कर उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान किया। नपाप अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने सभी प्राइवेट अस्पतालों से 2018 के बजाय 2022–23 से लाइसेंसिंग शुल्क लेने के निर्देश दिया है।

जिस पर सभी ने अपनी सहमति देते हुए नगर में किसी भी प्रकार की समस्या के निस्तारण के लिए हर सम्भव प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

मिशन शक्ति के तहत डीएम, एसपी के पास पहुंचे बाल संसद के प्रतिनिधि

संवाददाता–महराजगंज। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस और मिशन शक्ति फेज–5 के तहत बाल संसद के प्रतिनिधियों ने शैक्षिक भ्रमण किया। डीएम व एसपी कार्यालय पर पहुंचे बच्चों से अधिकारियों ने बातचीत की। परिसर भ्रमण कराने के साथ विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देते हुए जागरूक किया।

मिठौरा, निचलौल, नौतनवा ब्लॉक की 10 बालिकाओं ने डीएम, एसपी, सीडीओ, एएसपी, बाल कल्याण समिति के सदस्यों से मिलकर बातचीत की। इस अवसर पर पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति गोरखपुर के निदेशक फादर साजी जोसेफ ने कहा कि विगत सात वर्षों से शासन–प्रशासन के साथ मिलकर बाल अधिकार और मानव तस्करी रोकने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसमें बच्चों, महिलाओं, युवाओं को जागरूक करते हुए प्रशासन, एसएसबी के साथ मिलकर काम हो रहा है। डीएम अनुनय झा ने बालिकाओं से बातचीत करते हुए उनके लक्ष्य को हासिल करने के लिए टिप्स दिया। आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान बारी–बारी सभी बच्चियां डीएम की कुर्सी पर बैठीं। एसपी सोमेन्द्र मीना ने बालिकाओं को आपातकालीन समय में सुरक्षा संबंधी टिप्स दिया। सीडीओ अनुराज जैन ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन किया। जिला प्रोवेशन अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव ने मिशन शक्ति फेज–5 पर जानकारी दी। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्याम सिंह ने बच्चों को बाल कल्याण समिति के कार्यों के बारे में जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बाल विवाह, बाल श्रम रोकने के क्षेत्र में बालिकाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के बाल संरक्षण अधिकारी श्रवण कुमार के मिशन शक्ति फेज 5 के थीम और अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम पर जानकारी दी। एलसीपीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बाल सेवा योजना पर प्रकाश डाला। बाल संसद मिठौरा की प्रधानमंत्री खुशबू ने एक घंटे के लिए सीडीओ के रूप में कुर्सी पर बैठकर सुनवाई की। एक महिला विधवा पेंशन के मामले में आवेदन लेकर आई थी। इस पर बातचीत करते हुए जिला प्रोवेशन अधिकारी को मार्क करते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया। इस अवसर पर अलविना, जगरानी, श्रवण कुमार, आनन्द कुमार, कृष्ण मोहन, सुनील कुमार, पुष्पा, साधना, मेनका, मनीष, मृत्युंजय, संतराज आदि उपस्थित रहे। एसपी सोमेन्द्र मीना ने महिला सशक्तिकरण व महिला सुरक्षा, महिला केंद्रित विभिन्न सरकारी योजनाओं व हेल्पलाइनध्फोरम के संबंध में जानकारी दी। कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि सतत परिश्रम की जरूरत होती है। बाल संसद के सभी प्रतिनिधियों को पुलिस कार्यालय के सभी विभागोंध्शाखाओं का भी भ्रमण कराते हुए सभी शाखाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

अब सौर ऊर्जा से रोशन होंगे कलेक्ट्रेट और विकास भवन

संवाददाता–गोंडा। जिले में सौर ऊर्जा से कलेक्ट्रेट, आयुक्त कार्यालय, विकास भवन और सभी तहसीलों को रोशन करने की तैयारी है। बिजली की बढ़ती खपत को देखते हुए यह फैसला किया गया है। अफसरों के मुताबिक इन सरकारी भवनों में 265 किलोवाट का प्लांट लगाने पर 1.59 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए कवायद तेज कर दी गई है। जिले में आयुक्त कार्यालय, कलेक्ट्रेट, डीएम आवास और विकास भवन में जल्द ही बिजली कनेक्शन के लोड के बराबर ऑन ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना की जाएगी। इन सोलर प्लांटों से वहां खपत से अधिक बिजली बनने पर पावर कारपोरेशन को दे दी जाएगी। इससे बिजली न होने पर दफ्तरों में कामकाज निपटाने में आसानी होगी। तहसीलों में भी लगेंगे आन ग्रिड सोलर प्लांटः जिले में मनकापुर, करनैलगंज ,तरबगंज और सदर तहसील में ऑन ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना करने का निर्णय शासन के निर्देश पर लिया गया है। जल्द ही सभी तहसीलों में सोलर प्लांट लगाने के लिए बिजली विभाग से लोड का ब्योरा मांगा तलब किया है। सोलर पावर प्लांट के लग जाने से विकास भवन ,डीएम आवास और कलेक्ट्रेट में बिजली की किल्लत की समस्या से कर्मचारियों को छुटकारा मिल जाएगा। इसके साथ ही बिजली के बिल में भी कमी आ जाएगी। यूपी नेडा के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जिले के विभिन्न सरकारी भवनों में आन ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना करने के लिए कवायद तेजी से चल रही है। इसे जल्द पूरा करने का निर्देश मिला है। इन कार्यालयों में शीघ्र ही सोलर प्लांट की स्थापना कर दी जाएगी जिससे जनता के साथ कर्मचारियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

निजी अस्पतालों से लाइसेंसिंग शुल्क लेने के निर्देश

संवाददाता– बलरामपुर। अध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने प्राइवेट चिकित्सकों के साथ नगर पालिका परिषद में बैठक किया। जिसमें उन्होंने चिकित्सकों को वित्तीय वर्ष 2022–23 से अस्पतालों से लाइसेंसिंग शुल्क लेने के निर्देश दिया। श्री धीरू ने नगर के सभी प्राइवेट चिकित्सकों को नगर पालिका सभागार में आमंत्रित कर उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान किया।

नपाप अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने सभी प्राइवेट अस्पतालों से 2018 के बजाय 2022–23 से लाइसेंसिंग शुल्क लेने के निर्देश दिया है। जिस पर सभी ने अपनी सहमति देते हुए नगर में किसी भी प्रकार की समस्या के निस्तारण के लिए हर सम्भव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर डा.देवेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा.जुबैर अहमद, डॉ केके राना, डा.प्रांजल त्रिपाठी, डा.असलम खा, डा.आशीष सिंह, डा.प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, डा.अब्दुल कयूम, डा.मनीष सिंह, डा.जाहिद खान, डा. वाई पी गुप्ता, डा. एके भट्ट, डा. सतीष सिंह, डा.प्रदीप कुमार, डा.मुकेश श्रीवास्तव, डा. सालीम सिद्दीकी, डा.अभिषेक उपाध्याय, डा. एफ रहमान, डा. अफजाल अहमद व डा.अनवर अहमद आदि मौजूद रहे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में बढ़ रहा है निवेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम मंदिर फैसले के बाद अयोध्या में इन्वेस्ट बढ़ा है और इसी क्रम में फेडरल बैंक ने अयोध्या में ऐतिहासिक राम मंदिर से कुछ दूरी पर लता मंगेशकर चौक के पास श्री राम पथ पर अपनी नई ब्रांच और कर्मचारियों के लिए गेस्ट हाउस खोलकर अयोध्या में निवेश को आसान किया है। ब्रांच का उद्घाटन फेडरल बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ केवीएस ने किया और गेस्ट हाउस का उद्घाटन बैंक के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर राजनारायण एन के हाथों से किया गया। अयोध्या में आने वाले समय में बड़े स्तर पर अधोसंरचना विकास होने वाली है, जिस पर 10 बिलियन डॉलर खर्च किया जाएगा। इस आगामी विकास को देखते हुए मंदिर में आने वाले समय में प्रतिवर्ष 5 करोड लोगों के आने की उम्मीद है। इसे ध्यान में रखते हुए अयोध्या को आने वाले समय में बेहतर कनेक्टिविटी और पर्यटन सेवाओं की आवश्यकता जरूर पड़ेगी। फेडरल बैंक भी आने वाले समय में इस विकास में अपनी भागीदारी देने के लिए सज्ज है। 50 साल से लखनऊ क्षेत्र में अपनी सेवाएं देते हुए फेडरल बैंक ने यहां की आर्थिक प्रगति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब अयोध्या में खुली अपनी इस नई ब्रांच के माध्यम से फेडरल बैंक समग्र उत्तर प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी दर्ज करने की राह पर आगे बढ़ने को तैयार है। फेडरल बैंक अयोध्या में अपने ग्राहकों, व्यवसायों और भक्तों को उनकी वित्तीय जरूरतें पूरी करने में मदद करते हुए अयोध्या में आमूल चूल परिवर्तन लाने के लिए तैयार है। यह विस्तार भारत में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास को आगे बढ़ाने का पूर्ण रूप से समर्थन करता है। उद्घाटन में का साजन अग्रवाल की उपस्थित रहे।

शौच को गए युवक की डूबकर मौत

संवाददाता–गोण्डा। पयागपुर थाने के ग्राम रायडीह निवासी युवक बुधवार की सुबह शौच के लिए गया हुआ था। तभी उसका पैर तालाब में फिसल जाने से वह उसमें डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पयागपुर थाने के ग्राम पंचायत रायडीहा निवासी 15 वर्षीय हुकुम अली बुधवार सुबह शौच के लिए गया हुआ था। घर से लगभग 100 मीटर दूरी पर तालाब के पास पैर फिसलने से उसमें डूब कर उसकी मौत हो गई। जब गांव के लोग खेत की तरफ गए, तो देखा कि एक किशोर तालाब में डूबा हुआ है, इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खेल प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को दिए गए प्रशस्ति पत्र

संवाददाता–श्रावस्ती। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से बुधवार को लव विद्यापीठ खरगौरा में एक दिवसीय युवा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, विधायक राम फेरन पाण्डेय एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने द्वीप जला कर और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में लोकगीत, लोक नृत्य की सामूहिक एवं एकल विधाओं में प्रतियोगिताएं कराई गई। इसके अतिरिक्त जीवन कौशल अवयव में कहानी लेखन, कविता, पेंटिंग और डिक्लेमेशन में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। साथ ही विज्ञान मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें कई संस्थानों से बच्चों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने नए प्रोजेक्ट को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डा एपी सिंह ने कार्यशाला का भी आयोजन किया। जिसमें बच्चों को किसी भी प्रकार की मानसिक तनाव एंजायटी आदि के समस्याओं से निपटने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में लोक नृत्य सामूहिक विद्या में अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज भिनगा की गुनगुन रावत की टीम ने प्रथम स्थान, जगतजीत इंटर कॉलेज इकौना की सुमित गोस्वामी की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही लोक नृत्य एकल में अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज की बरखा श्रीवास्तव ने प्रथम तथा रिया शुक्ला ने द्वितीय स्थान पर रहीं। विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्तिपत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण स्वरूप मिश्रा, अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, लव विद्यापीठ, शिवालिक महाविद्यालय और क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी माता प्रसाद जायसवाल, रवि कुमार एवं अतुल कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सड़क के किनारे मिला युवक का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा तहसील क्षेत्र के गंगा भागड़ गांव निवासी जीवन लाल पुत्र साधू उर्फ दिग्विजय उम्र लगभग 26 वर्ष जो मंगलवार रात रामलीला मंचन देखकर घर वापस आकर सो गया। कुछ देर बाद शौच के लिए बाहर गया तो वापस नहीं लौटा। सुबह युवक का शव सड़क के किनारे नाले में मिला।

अहंकार नहीं करना चाहिए, प्रभु की शक्ति अपार है -जगतगुरू राघवाचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। राम कथा पार्क में मूर्न्य पंडित उमापति त्रिपाठी महाराज के आशीर्वाद से तीन कलश तिवारी मंदिर धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट अयोध्या के सौजन्य से श्रीमदभागवत कथा के सप्तम दिवस की बेला में जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी डॉ राघवाचार्य जी महाराज ने भक्तों को श्रीकृष्ण की अद्भुत लीलाओं का वर्णन सुनाया। उन्होंने ब्रह्मा जी के मानमार्जन से लेकर कालयवधार, चीर हरण लीला और गोवर्धन पूजा तक की गाथा को विस्तार से समझाया।स्वामी ने कहा कि ब्रह्मा जी का मानमार्जन एक ऐसी लीला है जिसमें ब्रह्मा जी को अहंकार हुआ कि वे सृष्टि के रचयिता हैं, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं द्वारा उनके मान का हरण किया और उन्हें अपनी असली शक्ति का बोध कराया। इस लीला में यह संदेश छिपा है कि अहंकार किसी को नहीं करना चाहिए, क्योंकि परमात्मा की माया और उनकी शक्ति अपार है।

स्वामी ने कालयवधार का वर्णन किया, जहां श्रीकृष्ण ने कालिय नाग का उद्धार किया। कालिय नाग का अत्याचार यमुना नदी में बढ़ चुका था और श्रीकृष्ण ने उसके फन पर नृत्य कर उसे पराजित किया। यह लीला दर्शाती है कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।चीर हरण लीला का वर्णन करते हुए स्वामी जी ने कहा कि यह घटना भगवान श्रीकृष्ण के भक्तवत्सल स्वभाव को प्रकट करती है। द्रौपदी की लाज बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने उसके चीर को अनंत किया और उसकी अस्मिता की रक्षा की। यह लीला भक्तों को यह सिखाती है कि जब भी वे संकट में होंगे, भगवान उनकी सहायता के लिए स्वयं उपस्थित होंगे।कथा शुभारंभ के पहले पंडित शिवेश्वरपति त्रिपाठी, पंडित श्रीशपति त्रिपाठी और महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी व्यास पीठ और व्यास पीठ पर विराजमान जगतगुरू स्वामी डॉ राघवाचार्य महाराज का पूजन अर्चन किया। कथा के विश्राम मेला पुनः आरती उतारी के और प्रसाद वितरण किया गया। आज की कथा में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक अनिल जी सहित सैकड़ो की संख्या में कथा प्रेमी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत रूद्रेश त्रिपाठी ने किया। आज की कथा में महंत रामानुज शरण ब्रह्मचारी, महंत महेश दास सहित सैकड़ो की संख्या में संत महंत भक्तजन उपस्थित रहे।

बीसी संचालक से नकाबपोश बदमाशों ने नौ लाख रुपयों से भरा बैग लूटा

संवाददाता–गोण्डा। बीसी संचालक से नकाबपोश बदमाशों ने मंगलवार की देर रात खैरीघाट इलाके में लाखों रुपयों से भरा बैग मारपीट कर लूट लिया और भाग गए। पीड़ित की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने संचालक से पूछताछ कर बदमाशों को पकड़ने के लिए टीमें लगा दी है। खैरीघाट थाना के नरोत्तमपुर निवासी बीसी संचालक अंकित कुमार मौर्या ने बताया कि वह यूनियन बैंक आफ इंडिया बैंक मित्र और स्पाइस मनी डिस्ट्रीब्यूटर हैं जो कि बेहड़ा से संचालित करते हैं।

खैरीघाट पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की रात 10:00 बजे नानपारा से तीन कंपनियों और बैंक का कुल 9 लाख 51 हजार रुपए नकदी लेकर बैग में रखते हुए बाइक से रात 10:00 बजे घर आ रहे थे, 10:25 बजे खैरीघाट थाना के बरदाहा बाजार के पास नहर पटरी पर पहले से मौजूद तीन बदमाशों ने बाइक रूकवा ली जिनमें से दो बदमाश काले कपड़े से मुंह ढके हुए थे और लाठी लेकर उन्हें पीटने लगे, इसी दौरान तीसरे बदमाश ने रूपयों से भरा बैग व बाइक में लगी चाबी छुड़ा ली और सभी भाग गए। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी।

भगवान श्री राम के समक्ष विभीषण की शरणागति की लीला देख मंत्रमुग्ध हुए भक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में शारदीय नवरात्र के अवसर पर स्वामी श्री भागवताचार्य स्मारक सदन में ऐतिहासिक एवं पौराणिक रामलीला का आयोजन संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें बुधवार को दसवें दिन प्रभुश्री राम किस शरण में लंकाधिपति राजा रावण के भाई विभीषण कि शरणागति होती है, जब विभीषण रावण को माता सीता को श्री राम के पास पहुंच कर क्षमा मांगने की बात करते हैं तब रावण विभीषण को लंका से लात मार कर निकाल देता है और विभीषण प्रभु की शरणागति में पहुंच जाते हैं, प्रभु श्री राम विभीषण को अपने शरण में लेकर के लंका का राजा बना देत हैं। यह समाचार रावण को मिलता है रावण अट्टहास करते हुए कहता है कि एक देश निकाला दूसरे देश निकले को राजा बन रहा है।

इसके उपरांत लीला में पुनः प्रभु श्री राम वानर सेना के साथ समुद्र पार करने की योजना बना रहे हैं कुछ समझ में नहीं आ रहा है तब विभीषण ने प्रभु श्री राम से कहां की समुद्र से आपको रास्ता रास्ता मांगना चाहिए यह बात लक्ष्मण को पसंद नहीं आई प्रभु ने तीन दिन तक समुद्र से अनुनय विनय करते रहे, जब समुद्र नही माना तब क्रोध किया समुद्र ने रास्ता बताया नल नील के सहयोग से सेतुबंध का निर्माण हुआ और पुरी सेना लंका पहुंच गई।भगवताचार्य स्मारक सदन में यह अद्भुत रामलीला अवध आदर्श रामलीला मंडल पत्थर मंदिर अयोध्या द्वारा मंचन किया जा रहा है। आज के लीला में जगदगुरु रामानंदाचार्य स्वामी वल्लभाचार्य महाराज, महंत डॉ महेश दास, संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के महामंत्री संजय दास , कोषाध्यक्ष बड़ा भक्तमाल पीठाधीश्वर महंत अवधेश कुमार दास , महंत धर्मेंद्र, नागा राम लखन दास, महंत धनुषधारी शुक्ला, अभिषेक दास,उमा शंकर दास सहित सैकड़ो लोगों ने रामलीला देखी।अतिथियों का स्वागत व्यवस्थापक वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास और उनके सहयोगी मंत्री शिवम श्रीवास्तव ने किया।

सीएम संग दंडाधिकारी की भूमिका रहेंगे योगी आदित्यनाथ, लगेगी अदालत, गोरक्षपीठाधीश्वर सुनाएंगे फैसला

संवाददाता–गोरखपुर। गोरक्षपीठ में विजयादशमी का दिन एक और मायने में भी खास होता है। इस दिन यहां संतों की अदालत लगती है और गोरक्षपीठाधीश्वर दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार हर वर्ष विजयादशमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में पीठाधीश्वर द्वारा संतों के विवादों का निस्तारण किया जाता है। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसी पद पर वह दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी को पात्र पूजा का कार्यक्रम होता है। इसमें गोरक्षपीठाधीश्वर संतो के आपसी विवाद सुलझाते हैं। विवादों के निस्तारण से पूर्व संतगण पात्र देव के रूप में योगी आदित्यनाथ का पूजन करते हैं। पात्र देवता के सामने सुनवाई में कोई भी झूठ नहीं बोलता है। पात्र पूजा संत समाज में अनुशासन के लिए भी जाना जाता है।

गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विजयादशमी के दिन शनिवार सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। पीठाधीश्वर गुरु गोरक्षनाथ का आशीर्वाद लेकर अपने वाहन में सवार होंगे। तुरही, नगाड़े व बैंड बाजे की धुन के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंचेगी। यहां पहुंचकर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव की पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद उनकी शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। यहां चल रही रामलीला में वह प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इसके साथ ही प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारी जाएगी।

यही नहीं विजयादशमी के दिन गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक तिलकोत्सव कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद भी देंगे। विजयादशमी के दिन शाम को गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत भोज का भी आयोजन होगा जिसमें अमीर–गरीब और जाति–मजहब के विभेद से परे बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग शामिल होते हैं।

अयोध्या में भेड़िये ने बदली लोकेशन, सिंधौरा गांव में दिखा, दहशत बरकरार

संवाददाता–अयोध्या। जिले के मिल्कीपुर के हैरिंग्टनगंज क्षेत्र में अब भी भेड़िये की दहशत बरकरार है। भेड़िया लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा है जिससे क्षेत्र के दर्जनों गांवों में भय का माहौल है। मंगलवार को हैरिंग्टनगंज के दक्षिणी छोर पर बिसुही नदी के किनारे स्थित सिंधौरा गांव में लोगों ने भेड़िये को देखा। हालांकि, ग्रामीण दहशत में पहले से ही जग रहे थे जिससे गुहार लगी और लोगों ने उसे खदेड़ लिया।

20 किलोमीटर की दूरी में भेड़िये की चहल कदमी से आदिलपुर, उरुवा वैश्य, सोनबरसा, महोलिया, खड़म्बडेपुर, जमोलिया, नियामतपुर में दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं। अब जब भेड़िये ने लोकेशन बदली तो गणेशपुर, परसपुर सथरा, पलिया लोहानी, सिंधौरा, बसवार कला, हरीरामपुर, घुरेहटा, सोहवल सलोनी, चौधरीपुर, सराय मजरा सहित कई गांव के लोगों में दहशत फैल गई है। मंगलवार दिन में वन विभाग की टीम ने कई गांवों में गश्त कर भेड़िये का पद चिन्ह और लोकेशन तलाशी।

11 को होगा अष्टमी व नवमी का व्रत अनुष्ठान कन्या पूजन भी, 12 को होगा पारण

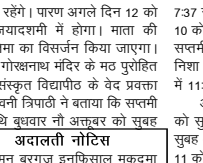

संवाददाता–गोरखपुर। शारदीय नवरात्र में इस बार अष्टमीं व नवमी का अनुष्ठान व व्रत शुक्रवार 11 अक्तूबर को होगा। इसी दिन कन्या पूजन व हवन भी होगा। अष्टमी व्रत रहने वाले श्रद्धालु 11 को ही व्रत रहेंगे। पारण अगले दिन 12 को विजयादशमी में होगा। माता की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। श्री गोरक्षनाथ मंदिर के मठ पुरोहित व संस्कृत विद्यापीठ के वेद प्रवक्ता अश्वनी त्रिपाठी ने बताया कि सप्तमी तिथि बुधवार नौ अक्तूबर को सुबह 7:37 से लग गई है जो बृहस्पतिवार 10 को सुबह 7:30 तक रहेगी जिससे सप्तमी बृहस्पतिवार 10 को होगी। निशा पूजा बृहस्पतिवार 10 को रात में 11:35 से 12:25 तक होगी।

अष्टमीं तिथि बृहस्पतिवार 10 को सुबह 7:31 से शुक्रवार 11 को सुबह 6:52 तक रहेगी व नवमी तिथि 11 को सुबह 6:53 से भोर में सुर्योदय से पहले 6:53 तक रहेगी। इसके अनुसार अष्टमी व नवमी शुक्रवार 11 को होगी, इसी दिन कन्या पूजन व हवन भी नवमी तिथि में ही होगा।

व्रत का पारण अगले दिन शनिवार 12 को सुबह सुर्योदय के बाद होगा। दशमी शनिवार 12 को सुबह 5:48 से लगगी जिससे विजयादशमी शनिवार 12 को होगी। उन्होंने बताया कि उदया तिथि के अनुसार ही तिथि मान्य होती है। गोरखनाथ मंदिर के संस्कृत विद्यापीठ के प्रधानाचार्य व पंडित अरविंद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि निशा पूजा बृहस्पतिवार 10 को रात में ही होगी। कन्या पूजन व हवन नवमी में शुक्रवार 11 को होगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 70 / 2022
अदालत– श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय भानपुर जिला–बस्ती
पाटेश्वरी सिंह
बनाम
गंगा सिंह
1. गंगा सिंह पुत्र श्याम नरायन सिंह साकिन संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 21–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्किका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 94 / 2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीडि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अर्जुन कुमार गुप्ता आदि
बनाम
ग्राम पंचायत अमौली आदि
1. ग्राम पंचायत अमौली द्वारा प्रधान विकास खण्ड साऊंघाट बस्ती 2. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. शम्भू प्रसाद पुत्र देवी प्रसाद गुप्ता निवासी करूआ बाबा चौक न्यू कालोनी पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 15–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्किका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

जब सांसद रवि किशन ने संभाला स्टेज, जीने के हैं चार दिन, डांडिया पर झूम उठी महफिल

संवाददाता–गोरखपुर। मारवाड़ी युवा मंच ने मंगलवार को स्थानीय क्लब में गरबा रौ रात मंच के साथ डांडिया कार्यक्रम आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सदर सांसद रवि किशन शुक्ल ने किया। उद्घाटन के बाद अपने जाने–पहचाने अंदाज में लोगों का अभिवादन किया। फिर स्टेज पर पहुंच गए। उन्होंने एक के बाद एक बॉलीवुड गीतों पर मौजूद सभी को डांडिया पर झूमने पर मजबूर कर दिया। लोगों ने अपने बीच सांसद और अभिनेता रवि किशन शुक्ला को पाया तो डांडिया का आनंद दोगुना हो गया। मंच पर रवि किशन थे तो सामने की तरफ से बार बार आवाज आ रही था, वन्स मोर..वन्स मोर.। इस दौरान विशिष्ट अतिथि महापौर मंगलेश श्रीवास्तव, समाजसेवी विकास केजरीवाल, अनूप सराफ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम समन्वयक नवीन पालड़ीवाल ने बताया कि सेलिब्रिटी सिंगर करिश्मा, अंकुर ककर एवं उनकी टीम ने मनमोहक डांडिया कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। लाइव बैंड ने समा बांध दिया। मुंबई की डांडिया सिंगर एकता सिंह के डांडिया स्पेशल गानों ने लोगो को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसमें सर्वश्रेष्ठ कपल प्रतियोगिता, सर्वश्रेष्ठ ड्रेस प्रतियोगिता, सर्वश्रेष्ठ परिवार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शाखा सचिव मयंक अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। दुर्गेश बजाज, रजत लाठ, पीयूष तुलस्यान, संचित भालोटिया, नीरज जालान आदि सदस्य उपस्थित रहे।

युवक पर धारदार हथियार से हमला, मुकदमा

संवाददाता–संतकबीनगर। महुली कस्बा में पुरानी रंजिश को लेकर एक किशोर पर धारदार हथियार से हमाला कर घायल कर दिया। हमले में घायल का उपचार निकट के अस्पताल में चल रहा है। बुधवार को पुलिस ने घायल के चाचा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में महुली कस्बा के ब्राह्मण मोहल्ला निवासी दिलीप कुमार दूबे पुत्र जनार्दन दुबे ने बताया कि उसका भतीजा वैभव दूबे पुत्र अजय दूबे खरीदारी करने के लिए घर से बाजार गया हुआ था। इसी दौरान कस्बा के बीच में गांव का अरमान पहुंचा। पुरानी रंजिश को लेकर गाली देने लगा। वैभव दुबे ने एतराज किया तो अरमान भड़क गया। वैभव दुबे पर धारदार हथियार से शरीर पर कई बार वार कर दिया। शरीर पर कई जगह चोट के अलावा गर्दन पर गंभीर चोट लगी।

राजघाट पुल से कठिनइया नदी में महिला ने लगाई छलांग

संवाददाता–संतकबीनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के नगर पंचायत हरिहरपुर स्थित राजघाट पुल से एक वृद्ध महिला ने कठिनइया नदी में छलांग लगा दिया। वहां मौजूद लोगों ने नदी में कूद कर किसी तरह उसे बचाया। सूचना पर पीआरवी टीम भी पहुंची तथा समझा बुझाकर उसे परिजनों को सौंप दिया। बताया जाता है कि परिवारिक कलह के चलते महिला ने यह कदम उठाया था। हरिहरपुर–महुली मार्ग पर स्थित राजघाट पुल से प्रतिदिन की तरह लोगों की आवाजाही चल रही थी। तभी क्षेत्र के ददरी हरदो निवासी लगभग 60 वर्षीय महिला वहां पहुंची और इधर–उधर टहलने के बाद अचानक पुल से कठिनइया नदी में छलांग लगा दिया। यह देख हर कोई भौंचक्का रह गया। महिला नदी की धारा में बह रही थी। आनन फानन में मौजूद लोग नदी में कूद कर काफी प्रयास के बाद किसी तरह सुरक्षित महिला को नदी से बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उक्त महिला ने परिवारिक कलह के चलते यह कदम उठाया था। लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। सूचना पर पीआरवी टीम पहुंची। महिला को समझा बुझाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0 1129 / 2023
अदालत– श्रीमान उप संचाल चकबन्दी महोदय बस्ती जिला बस्ती
सुशीला देवी आदि
बनाम
श्याम नरायण आदि
1. श्याम नरायन 2. राम नरायन पुत्रगण रामजस ग्राम कूढ़ापट्टी दरियांव तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. भूमिकेश्वर पुत्र कृष्णदेव ग्राम देवापार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4. श्रीमती कुसमावती पत्नी रामनिरंजन ग्राम देवापार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 5. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर महोदय बस्ती
तारीख पेशी 14–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 11 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद 15 / 2024
मूलवाद सं0–111 / 2012
श्रीमती सुमिता देवी
बनाम
श्रवण कुमार उपाध्याय आदि
1. श्रवण कुमार उपाध्याय उम्र लगभग 42 साल पुत्र स्व श्री राम दिनेश उर्फ रामसुरेश साकिन घुघसा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षी प्रथम वर्ग
2. कुमारी लालिमा उम्र 22 वर्ष 3. सौरभ उर्फ विचित्रमणि उम्र लगभग 18 वर्ष 4. कु0 रूचि उर्फ स्वर्णिमा उम्र लगभग 16 वर्ष पुत्र व पुत्रीगण श्रवण कुमार नावालिगान ववलायत पिता खुद श्रवण कुमार पुत्र श्री राम दिनेश उर्फ रामसुरेश निवासीगण घुघसा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 11–11–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 11 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 09 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 9992 / 2024
धारा 144 उ0प्र0र0ा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
संतराम
बनाम
सरकार
1. श्रीमती रेवती देवी पत्नी परमात्मा प्रसाद निवासी ग्राम मरवटिया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 30–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्किका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज / एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं0 46 / 2018
राम कुमार आदि
बनाम
जगदीश आदि
2 / 1 चन्द्रावती पत्नी राम बुझारत 2 / 2 सत्येन्द्र कुमार पुत्र राम बुझारत 2 / 3 सुधीर पुत्र राम बुझारत नावालिगान बवलायत चन्द्रावती देवी माता 2 / 4 पुष्पा देवी 2 / 5 प्रियंका देवी पुत्रीगण राम बुझारत साकिन मौजा रसोइया तप्पा कलवारी परगना नगर तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 19–11–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

टीका लगाकर 100 रुपये ले रही थी एएनम, वीडियो वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर के अर्बन हेल्थ पोस्ट पर टीका लगाने के एवज में संविदा पर तैनात एएनएम 100 रुपये वसूल रही थी। पीड़ितों ने इसका वीडियो बना कर वायरल कर दिया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। इस मामले की जांच एडिशनल सीएमओ आरसीएच डॉ एके चौधरी को मिली है। बताया जा रहा है कि अगर आरोप सही मिले तो संविदा एएनएम बर्खास्त भी किया जा सकता है।

अपहरण कर युवक की हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार इलाके के भीटी रोड से युवक का अपहरण कर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने हत्या करने के बाद शव को बांसगांव के आमी पुल के पास पास फेंका था। मंगलवीर की आधी रात शव बरामद होने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव के ही एक यादव पर परिवार पर अपहरण कर हत्या करने का आरोप है। फिलहाल, पुलिस सीसी टीवी कैमरे व अन्य स्रोतों की मदद से मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, बेलीपार के चंदौली गांव निवासी जैस निषाद (23) का गांव के ही एक परिवार से विवाद है। प्रधानी के चुनाव में गोली चलाया था और जेल भी गया था। जैस का जिस यादव परिवार से रंजिश था, उसी परिवार एक युवती से प्यार भी करने लगा था। युवती को लेकर जैस दो बार घर से लेकर फरार हो गया, लेकिन नाबालिग होने पर पुलिस खोजकर ले आई। बालिग होते ही घरवालों ने उसकी शादी कर दी। लेकिन कुछ दिन पहले जैस उसे ससुराल से लेकर फरार हो गया था। आशंका है कि इसी रंजिश में उसका अपहरण कर हत्या किया गया है।

नर्सिंग छात्रों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

संवाददाता–गोखपुर। बीआरडी मेडिकल कालेज परिसर में स्थित राजकीय नर्सिंग कालेज में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। बुधवार को पखवाड़ा के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राजकीय नर्सिंग कालेज के छात्रों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। इस शपथ ग्रहण समारोह में बीआरडी मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. राम कुमार जायसवाल मौजूद रहे। उन्होंने ने ही छात्रों को शपथ दिलाई । उनके साथ उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पवन जायसवाल ने भी शपथ ली। नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डॉ. अल्का सक्सेना ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए यातायात के नियमों का पालन आवश्यक है। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं को बचाया जा सकता है। नर्सिंग कालेज की प्राचार्य ने बताया कि इस दौरान कई प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें निबंध, भाषण और स्लोगन प्रतियोगिता शामिल है। इस प्रकार के आयोजन में नर्सिंग कालेज के साथ ही फार्मेसी कालेज व एमबीबीएस छात्रों को शामिल किया जाएगा।

डा. अनुज सरकारी के खिलाफ सड़क पर उतरे कांग्रेसी, एसएसपी से कार्रवाई की मांग

संवाददाता–गोखपुर। सिपाही के हमले में घायल महानगर के वरिष्ठ गैस्ट्रो सर्जन डॉ अनुज सरकारी के सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। उधर उन पर कार्रवाई का दबाव भी बढ़ने लगा है। बुधवार को हमले के आरोपी सिपाही पंकज के समर्थन में कांग्रेसियों ने सड़क पर गांधी प्रतिमा से पैदल मार्च किया। कांग्रेसियों ने एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और सिपाही पंकज की बेरहमी से पिटाई करने वाले डॉक्टर और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान एवं कांग्रेस नेता तौकीर आलम ने कहा कि बीमार पत्नी को चिकित्सक द्वारा दिखाने गए पुलिस के सिपाही को जिस प्रकार जानलेवा हमला किया गया है, वह मानवता को शर्मसार करने वाला है। घटना मर्माहत करने वाली है। चिकित्सक जैसे संवेदनशील पेशे से जुड़े व्यक्ति द्वारा गुंडों जैसा आचरण किया जाना किसी प्रकार क्षम्य नहीं है। सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवा दिया गया। मांग किया कि पुलिस की बेरहमी से पिटाई करने वाले आरोपी डॉक्टर और उसके गुण्डों पर भारतीय दण्ड विधान की समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजा जाना चाहिए। जिससे भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो। प्रदर्शन में काफी संख्या में कांग्रेसी शामिल रहे। उधर सिपाही पंकज के पिटाई का वीडियो खूब वायरल हो रहा है जिसमें डॉक्टर और उसके स्टॉफ सिपाही को बेरहमी से पीटते दिख रहे हैं। सिपाही की पत्नी ने सोमवार को एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के पास पहुंच अपनी पीड़ा सुना डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग किया था।

इंटर्न की बर्थडे पार्टी में डांसरों संग लगाए ठुमके लगाते दिखे मेडिकल छात्र, सीनियर हुए नाराज

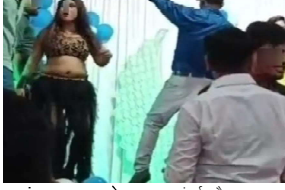

संवाददाता–गोखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक इंटर्न की बर्थडे पार्टी में कुछ मेडिकल छात्र, डांसरों संग ठुमके लगाते नजर आए। इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। पिछले कुछ दिनों से यह विभिन्न ग्रुपों में शेयर किया जा रहा था। इस पर सीनियर छात्र और डॉक्टर नाराज हैं। वीडियो में कथित रूप से कुछ इंटर्न और छात्र चार नर्तकियों के साथ डांस करते दिख रहे हैं। हालांकि, लाइव भारतीय बस्ती वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। इस बारे में एम्स के मीडिया प्रभारी डॉ. अरूप मोहंती ने कहा है कि इस तरह के किसी वायरल वीडियो की शिकायत नहीं मिली है। अगर मिलती है तो मामले की जांच कराई जाएगी।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो एक इंटर्न के पिछले महीने बर्थडे के दौरान का है। उसी उपलक्ष्य में पार्टी रखी गई थी। देर रात तक इंटर्न और मेडिकल छात्र पार्टी में मौजूद थे। वायरल वीडियो में जूनियर डॉक्टर भी चारों नर्तकियों के साथ डांस कर रहे थे। वायरल वीडियो में कुछ इंटर्न और डॉक्टर नोट उड़ा भी रहे हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो कई दिन से एक–दूसरे के ग्रुप में शेयर किया जा रहा है। इसकी जानकारी जब एम्स के सीनियर डॉक्टरों को हुई तो उन्होंने नाराजगी जताई है। कार्यक्रम का आयोजन एम्स परिसर से बाहर एक मैरेज हॉल में किया गया था, जिसमें दो सौ से ज्यादा छात्र, इंटर्न और जूनियर डॉक्टर शामिल हुए थे। कुछ छात्राएं भी गई थीं। हालांकि, वे कुछ देर डांस देखने के बाद वापस आ गई थीं। बताया जा रहा है कि इसकी अनुमति किसी इंटर्न और डॉक्टर ने नहीं ली थी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com